हाई-फाई होगा मेट्रो-3 का MIDC स्टेशन

स्पीड में काम, जल्द शुरू हो सकता है फेज-1, निर्माण योजना को 2018 में मिली थी मंजूरी

प्रिया पांडे@नवभारत

मुंबई. मुंबई में तेजी से बढ़ते मेट्रो नेटवर्क में नवीनतम जुड़ाव एक्वा लाइन (मेट्रो तीन) का पहला चरण लोगों के लिए जल्द ही शुरू होने वाला है. फेस वन का काम 92.3% पूरा हो गया है. अगर एमआईडीसी स्टेशन की बात करें तो 95% काम पूरा हो चुका है. एमएमआरसी (मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड) द्वारा संचालित, मुंबई-मेट्रो लाइन 3 मुख्य रूप से एक अंदर ग्राउंड लाइन है, जिसे भारत सरकार और महाराष्ट्र सरकार के बीच एक संयुक्त उद्यम के रूप में घोषित किया गया था. 50:50 शेयरिंग के आधार पर 23,136 करोड़ रुपये की लागत से मेट्रो लाइन की निर्माण योजना को 2018 में मंजूरी दी गई थी.

यात्रा होगी आसान

मुंबई मेट्रो लाइन 3, लोगों के लिए यात्रा को आसान बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है. यह रेलवे, एमएसआरटीसी (महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम), मेट्रो लाइन 2 बी और 1 के साथ 8 अलग-अलग स्थानों पर जुड़ा हुआ है.

पहले चरण के स्टेशन

- आरे
- सीप्ज़
- एमआईडीसी
- मरोल नाका
- इंटरनेशनल एयरपोर्ट
- सहार रोड
- डोमेस्टिक एयरपोर्ट
- सांताक्रुज
- विद्यानगरी और बीकेसी

एमआईडीसी मेट्रो स्टेशन

- 9 एस्केलेटर
- 5 लिफ्ट
- स्टेशन की गहराई 21.5 मीटर
- स्टेशन की चौड़ाई 24.5 मीटर
- एमआईडीसी मेट्रो स्टेशन की कुल लंबाई लगभग 240 मीटर है.

- मेट्रो 3 की कुल लंबाई: 33.5 किमी (27 स्टेशन)
- फेज 1 : आरे - बीकेसी (10 स्टेशन)
- फेज 2 : बीकेसी - कफ परेड (17 स्टेशन)

एमआईडीसी पहला स्टेशन है, जिसका पाइलिंग प्रोसेस, रूफ स्लैब, कान्कॉर्स स्लैब और बेस स्लैब का काम पूरा कर लिया गया है.

सिविल कार्य: 98.8% | सिस्टम कार्य: 90.6%

MIDC स्टेशन की खासियत

- 2 लेवल
- A. कान्कॉर्स
- B. प्लेटफॉर्म
- फूल स्क्रीन डोर्स
- फायर एग्जिट - 4
- एंट्री और एग्जिट- 4
- इन्टरनेट सेवा
- फायर सेफ्टी
- टॉयलेट्स

प्लेटफार्म स्क्रीन डोर्स से होगा सज्ज

यह मुंबई का पहला और एकमात्र पूरी तरह से भूमिगत मेट्रो कॉरिडोर है, जिसमें 27 में से 26 स्टेशन भूमिगत हैं. प्लेटफार्म सुरक्षित करने के लिए प्लेटफार्म और रेल के बीच प्लेटफार्म स्क्रीन डोर्स लगाए गए है. इसका गेट मेट्रो आने के बाद ही खुलेगा. इसका निर्माण भी पूरा हो चुका है. पैकेज यूजीसी-07, 4.157 किमी लंबी लाइन सीएसआईए टर्मिनल 2 और सारिपुत नगर रैंप को तीन स्टेशनों मरोल नाका, एमआईडीसी और सीप्ज़ के माध्यम से जोड़ता है.

इंजीनियरों ने काम और सुरक्षा को दी है प्राथमिकता

एमआईडीसी स्टेशन पर काम करने वाले सभी इंजीनियर और कर्मचारी काम को प्राथमिकता दे रहे हैं. साथ ही साथ सुरक्षा की पहलू को भी नजरअंदाज नहीं किया जा रहा है. साइट पर जाने से पहले हेलमेट शूज और जैकेट पहना जाता है. ताकि कोई भी दुर्घटना यदि होती है तो वे लोग सुरक्षित रहे. साइट पर मेट्रो को चलने का प्रक्रिया शुरू किया गया है. मेट्रो तीन की सभी मेट्रो का ऑपरेशन कंप्यूटरकृत तरीके से किया जाएगा. अगर एमआईडीसी स्टेशन की बात करें तो वहां 1 बिल्डिंग का निर्माण किया गया है, जो इस ऑपरेशन पर ध्यान रखेगी. साथ ही साथ दो एग्जास्ट बिल्डिंग भी खड़ी की गई है. यदि अंदर किसी प्रकार का धुआं होता है तो इस एग्जास्ट की मदद से धुआं बाहर निकल जाएगा.